

भारत-जापान संबंधों का पुनर्मूल्यांकन

परलिमिस् के लिये: [इंडो-पैसफिकि क्षेत्र, ASEAN, संयुक्त राष्ट्र चार्टर, वीर गार्जयिन, धर्म गार्जयिन, जमिक्स, बौद्ध धर्म](#)

मेन्स के लिये: भारत-जापान संबंध, रणनीतिक साझेदारियाँ और क्षेत्रीय सुरक्षा, भारत-जापान संबंधों में प्रमुख चुनौतियाँ और आगे की राह

[स्रोत: द हिंदू](#)

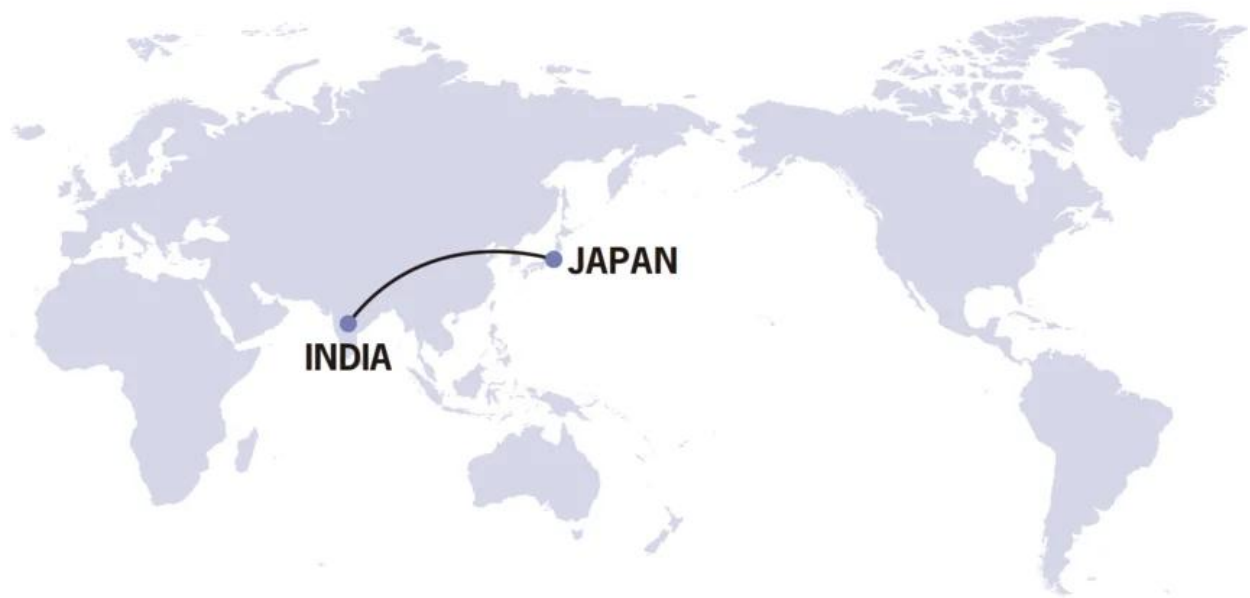
चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा ने [भारत-जापान विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी](#) को मज़बूत किया, जिसके परिणामस्वरूप 13 प्रमुख समझौते हुए और अगले दशक में जापान से नज़ी नविश में 10 ट्रिलियन येन (68 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का नविश करने का संकल्प लिया गया।

भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी प्रमुख क्षेत्रों में कसि प्रकार विकसित हो रही है?

प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान की गई प्रमुख घोषणाएँ और उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:

- **जॉइंट वज़िन रोडमैप:** अगले दशक के लिये भारत-जापान जॉइंट वज़िन की घोषणा, जिसमें 8 प्राथमिक क्षेत्रों को रेखांकित किया गया है - आर्थिक साझेदारी, सुरक्षा, गतिशीलता, पारिस्थितिक स्थिरता, प्रौद्योगिकी व नवाचार, स्वास्थ्य, लोगों के बीच संबंध और राज्य-प्रांत सहभागिता।
- **रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग:** भारत और जापान ने सुरक्षा सहयोग पर एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किये, जो उनके वर्ष 2008 के समझौते का एक महत्वपूर्ण अद्यतन एवं वसितार है।
 - संस्थागत NSA-स्तरीय वार्ता और वसितारित त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास (धर्म गार्जयिन, वीर गार्जयिन, मलिन)।
 - रक्षा उपकरणों के सह-उत्पादन की दशा में मसिाइल रक्षा और समुद्री नगिरानी पर DRDO-ATLA सहयोग।
- **प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहयोग:** डिजिटल पार्टनरशिप 2.0 और लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) तथा अनुसंधान एवं विकास के लिये भारत-जापान AI पहल की शुरुआत की।
 - चंद्रयान-5 जॉइंट लूनर पोलर मशिन हेतु ISRO-JAXA समझौते पर हस्ताक्षर किये।
 - रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, जहाज़ निर्माण, अंतरिक्ष जागरूकता और परमाणु ऊर्जा में सहयोग किया।
- **बुनियादी अवसंरचना और कनेक्टिविटी:** वर्ष 2030 तक दोनों देशों में भूकंपीय क्षेत्रों के लिये उपयुक्त अगली पीढ़ी की शकानसेन (360 कर्मी प्रतघंटे) के साथ बुलेट ट्रेन परियोजना पर प्रगति।
 - सभी परिवहन क्षेत्रों में अगली पीढ़ी हेतु मोबिलिटी पार्टनरशिप की शुरुआत।
 - दलिली मेट्रो (2.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नविश) जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जापान का नरितर समर्थन तथा वर्ष 2047 तक 7,000 किलोमीटर हाई-स्पीड रेल का वज़िन।
- **हरति ऊर्जा और जलवायु सहयोग:** पेरिस समझौते के तहत जॉइंट क्रेडिटिंग मैकेनिज़िम (JCM) को क्रयानवति किया गया।
 - क्लीन हाइड्रोजन और अमोनिया पर घोषणाओं पर हस्ताक्षर किये गए तथा सस्टेनेबल फ्यूल इनशिपिटिवि की शुरुआत की गई।
- **लोगों के बीच सहयोग:** मानव संसाधन वनिमिय पर कार्य योजना, जिसके तहत 5 लाख लोगों (जनिमें 50,000 भारतीय श्रमिक शामिल हैं) की गतिशीलता को सक्षम बनाया जाएगा।
 - अगली पीढ़ी की राज्य प्रांत साझेदारी, सांस्कृतिक समझौता ज्ञापन और कूटनीति प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किये गए।



भारत-जापान ने अपने द्वपक्षीय रश्तों को कैसे सुदृढ़ किया है?

- ऐतहासिक संबंध: भारत और जापान बौद्ध धर्म के माध्यम से सभ्यतागत संबंध साझा करते हैं।
 - प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने वर्ष 1949 में जापान को एक हाथी भेंट किया, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नए संबंधों की शुरुआत का प्रतीक था।
 - भारत ने वर्ष 1952 में शांति संधि पर हस्ताक्षर कर जापान के साथ राजनयिक संबंध स्थापित किये।
- रणनीतिक साझेदारी: वैश्विक साझेदारी (2000), रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी (2006) और विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी (2014) पर हस्ताक्षर के साथ समय के साथ यह संबंध और भी मज़बूत हुए।
 - 'भारत-जापान वज़िन 2025' को वर्ष 2015 में घोषित किया गया, जिसने सहयोग हेतु एक रूपरेखा प्रस्तुत की।
- रक्षा एवं सुरक्षा: रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी सहयोग तथा गोपनीय सैन्य सूचना की सुरक्षा पर समझौतों के साथ वर्ष 2015 से भारत-जापान रक्षा संबंध और भी मज़बूत हुए हैं।
 - प्रमुख उपलब्धियों में 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता (2019) और अधिग्रहण एवं क्रॉस-सर्विसिंग समझौता (ACSA) (2020) शामिल हैं।
 - रक्षा उपकरण एवं प्रौद्योगिकी सहयोग पर संयुक्त कार्य समूह (JWG-DETC) की नियमिति बैठकें।
 - उपकरण एवं प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण हेतु तीन संधिधाराओं में संशोधन (2023) तथा पहली संयुक्त सेवा स्टाफ वार्ता (2023) ने त्रि-सेवा पारस्परिक संचालन क्षमता को और सुदृढ़ किया है।
 - सैन्य अभ्यासों में मालाबार, मलिन, JIMEX, धर्म गार्जियन और तटरक्षक सहयोग शामिल हैं, जिनका ध्यान प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर केंद्रित है।
- इंडो-पैसिफिक एवं क्षेत्रीय सहयोग: भारत की एकट ईस्ट नीति और इंडो-पैसिफिक ओशनस इनशिएटिव (IPOI) जापान की फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (FOIP) वज़िन के अनुरूप हैं।
 - एकट ईस्ट फोरम (2017) और 'फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक' पर जोर देने वाले संयुक्त वक्तव्य रणनीतिक सहयोग का मार्गदर्शन करते हैं।
 - जापान भारत का सबसे बड़ा आधिकारिक विकास सहायता (ODA) दाता है तथा दोनों देश क्वाड, ISA, CDRI और SCRI में सहयोग करते हैं।
- व्यापार और नविश: चाइना+1 रणनीतिके हिससे के रूप में जापान, भारत को एक प्रमुख वनिर्माण केंद्र और बाज़ार के रूप में देखता है।
 - CEPA की समीक्षा और गफिट सर्टि के प्रोत्साहन का उद्देश्य व्यापार तथा वित्तीय संबंधों को मज़बूत करना है, जबकि वर्ष 2035 तक जापान की 68 बिलियन डॉलर की नविश प्रतिबद्धता भारत की विकास क्षमता में गहरे विश्वास को दर्शाती है।
 - आर्थिक सुरक्षा पर संयुक्त कार्य योजना आपूर्ति शृंखला को और सुदृढ़ करती है, जो द्वपक्षीय आर्थिक संबंधों में एक परिवर्तनकारी चरण को चिह्नित करती है।

भारत-जापान संबंधों में प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

- व्यापार असंतुलन: CEPA के बावजूद, द्वपक्षीय व्यापार जापान के पक्ष में है।
 - वित्त वर्ष 2023-24 (FY24) में जापान ने भारत को 17.69 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का माल निर्यात किया, जबकि भारत का निर्यात केवल 5.15 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

